एकलव्य का प्रकाशन

मैं भी...

एक चित्रकथा

वी. सुतेयेव

मैं भी...

चित्र और कहानी
वी. सुतेयेव

एकलव्य का प्रकाशन

मैं भी...

MAI BHEE

स्टोरीज़ एण्ड पिक्चर्स की एक चित्रकथा

प्रगति प्रकाशन, मॉस्को के सौजन्य से प्रकाशित।

चित्र और कहानीः वी. सुतेयेव

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत शासन एवं
सर रतन टाटा ट्रस्ट के वित्तीय सहयोग से विकसित।
संस्करणः जनवरी 2002/10,000 प्रतियाँ
पहला पुनर्मुद्रणः अप्रैल 2007/10,000 प्रतियाँ
दूसरा पुनर्मुद्रणः अप्रैल 2008/3,000 प्रतियाँ
तीसरा पुनर्मुद्रणः मई 2008/10,000 प्रतियाँ
चौथा पुनर्मुद्रणः अक्तूबर 2008/15,000 प्रतियाँ
पाँचवाँ पुनर्मुद्रणः नवम्बर 2008/30,000 प्रतियाँ
छठवाँ पुनर्मुद्रणः नवम्बर 2008/30,000 प्रतियाँ
सातवाँ पुनर्मुद्रणः दिसम्बर 2008/60,000 प्रतियाँ
आठवाँ पुनर्मुद्रणः दिसम्बर 2008/60,000 प्रतियाँ
100 gsm मेपलिथो व 130 gsm आर्ट कार्ड (कवर) पर प्रकाशित।
ISBN: 978-81-87171-90-4
मूल्यः 15.00 रुपए
यह किताब अँग्रेज़ी में भी उपलब्ध है।

प्रकाशकः एकलव्य

ई-10, बीडीए कॉलोनी शंकर नगर,
शिवाजी नगर, भोपाल - 462016 (म.प्र.)
फोनः (0755) 255 0976, 267 1017 फैक्सः (0755) 255 1108
www.eklavya.in
सम्पादकीयः books@eklavya.in
किताबें मँगवाने के लिएः pitara@eklavya.in

मुद्रकः आर. के. सिक्युप्रिंट प्रा. लि., फोन 2687 589

मैं भी ...

एक अण्डे में से बत्तख का बच्चा निकला।

“लो मैं अण्डे में से निकल आया,” बत्तख का बच्चा

एक और अण्डे में से मुर्गी का चूज़ा निकला।

“मैं भी आ गया,” चूज़ा बोला।

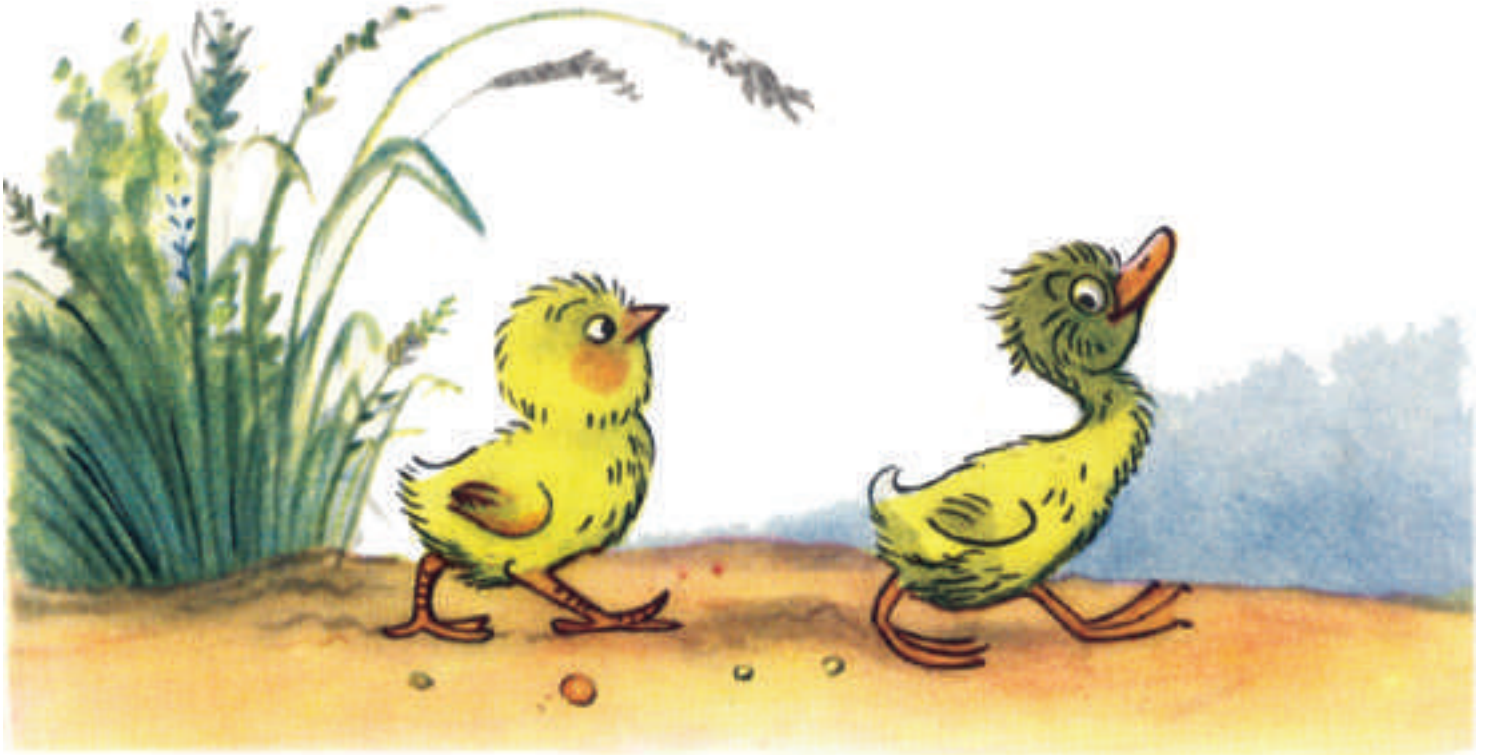

“मैं घूमने जा रहा हूँ,” बत्तख का बच्चा बोला।

“मैं भी चलूँगा,” चूज़ा बोला।

“मैं गड्ढा खोद रहा हूँ,” बत्तख का बच्चा बोला।

“मैं भी खोदूँगा,” चूज़ा बोला।

“मुझे एक केंचुआ मिला,” बत्तख का बच्चा बोला।

“मुझे भी,” चूज़ा बोला।

“मैंने एक तितली पकड़ी,” बत्तख का बच्चा बोला।

“मैंने भी तितली पकड़ी,” चूज़ा बोला।

“मैं तैरना चाहता हूँ,” बत्तख का बच्चा बोला।

“मैं भी,” चूज़ा बोला।

“देखो मैं तैर रहा हूँ,” बत्तख का बच्चा बोला।

“मैं भी तैरूँगा,” चूज़ा बोला।

“बचाओ...,” चूज़ा डूबते हुए चिल्लाया।

बत्तख के बच्चे ने चूज़े को पानी से बाहर निकाला।

“मैं वापस पानी में जा रहा हूँ,” बत्तख का बच्चा बोला।
“अब मैं नहीं,” चूज़ा बोला।

एकलव्य का प्रकाशन

ISBN: 978-81-87171-90-4
मूल्य: 15.00 रुपए